**सुरक्षित कृषि उत्पाद भण्डारण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु**

 **पवन कुमार माहोर**

**भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर**

**उन्नत बीज, उर्वरक,एवं फसल सुरक्षा के उपायों के साथ नयी तकनीक अपना कर किसानो के द्वारा अधिकतम उत्पादन किया जा रहा हैं परन्तु अनेक कीट-व्याधियों द्वारा एवं अवैज्ञानिक तरीके से भंडारित करने के कारण अधिक हानि उठानी पड़ती है। फसलों की कटाई के बाद महत्वपूर्ण कार्य कृषि उत्पाद को भंडारित करना होता है। किसान सुरक्षित भण्डारण तकनीक अपनाकर अनाज को चूहों, कीटों, घुन, नमी आदि से बचा सकते हैं। भण्डारण की सही जानकारी के आभाव के कारण 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमी, दीमक, घुन, बैक्टीरिया द्वारा बर्बाद कर दिया जाता है।**

**सुरक्षित अनाज भण्डारण से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर विचार कर आर्थिक हानि से बच सकते है**

* **अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को जलाकर नष्ट कर दे।**
* **दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि सुराख़ हो तो उन्हे सीमेंट, ईट से बंद करे दें।**
* **टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।**
* **अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए।**
* **अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है इसलिए अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक हो गया है।**
* **इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।**
* **भंडारण के लिए लकड़ी और तख्ते का मंच तैयार करें।**
* **अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो।**
* **बोरियों के छल्लियों के बीच 75 सेमी खाली स्थान रखना है।**
* **भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायुरूद्ध भी किया जा सके।**
* **भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ-सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करना चाहिए।**
* **गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।**
* **अनाजों व दालों का भंडारण कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगाना, नीम, लहसुन बिछाना,सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि।**
* **भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।**
* **अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अनाज की बोरी में रखे।**
* **बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए।**
* **इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मैलाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।**
* **भण्डारण हेतु विषैले कीटनाशक दवाओं का प्रयोग न करें क्यों कि स्वास्थ्य पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है।**